(ii) Non-Plan expenditure should be reduced to the minimum,

(iii) Greater effort should be made to increase the number of seed multiplication farms and for a larger distribution of improved seeds

(iv) Suitable measures should be taken for the utilisation of irrigation facilities already created; and

(v) Outlay on irrigation and power projects should be restricted to the minimum and absolute requirements, with a view to reducing the immediate foreign exchange expenditure

उत्तर प्रदेश के तिब्बत सीमावर्ती क्षेत्र

१८४८. श्री भक्त दर्शन : क्या योजना मंत्री १६ दिसम्बर, १९५६ के अतारांकित प्रश्न संख्या ११७४ के उत्तर के संबंध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर प्रदेश के तिब्बत सीमावर्ती क्षेत्रों का विकास करने के लिये प्रथम पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत जो १.१४ करोड़ रुपयों की धन-राशि स्वीकृत की गई थी, उसके अन्तर्गत विभिन्न योजनाओं पर कुल कितना धन व्यय हुआ और इस बीच कितना कार्य हुआ है ;

(ख) द्वितीय पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत कितना धन उन क्षेत्रों के विकास के लिये स्वीकार किया गया है अथवा करने का विचार है ;

(ग) उस धन का उपयोग करने के लिये क्या कार्यक्रम तैयार किया गया है ; और

(घ) द्वितीय पंचवर्षीय योजना के प्रारम्भ होने से अब तक विभिन्न दिशाओं में विकास कार्यों की क्या प्रगति हुई है ?

श्रम और रोजगार तथा योजना मंत्री के सभासचिव (श्री ल० ना० मिश्र) : (क) १.१० करोड़ रुपयों की स्वीकृत धनराशि में से ३६.६ लाख रुपये व्यय हुए ।

(ख) १ करोड़ रुपये ।

(ग) इस कार्यक्रम में बागबानी, पशुपालन, ऊन की कताई, रोएदार खालों की कमाई आदि ग्राम तथा लघु उद्योगों के विकास, झूलते पुलों का निर्माण, प्रारम्भिक तथा माध्यमिक स्कूल खोलने, डाक्टरी तथा आयुर्वेदिक चिकित्सालय खोलने, जच्चा-बच्चा कल्याण केन्द्र खोलने और पीने के पानी के प्रबन्ध आदि की योजनायें हैं ।

(घ) अधिकांश योजनाओं पर काम चल रहा है ।

Manufacture of Liquor

1849. Shri Rameshwar Tantia: Will the Minister of Commerce and Industry be pleased to state whether it is a fact that an application is pending before Government for sanction, to allow the establishment of an industry for the manufacture of liquor in Rajasthan for the sole purpose of export?

The Minister of Commerce and Industry (Shri Morarji Desai): No application for the establishment of an industry for the manufacture of liquor in Rajasthan for the sole purpose of export is pending with the Government of India It is, however, understood that an application regarding the establishment of an experimental distillery at Ajmer to produce country liquors for export is pending with Government of Rajasthan

पारपत्र

१८५०. श्री ह० चं० शर्मा : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विदेशों में भारतीय राजदूतों, कौंसिलरों और भारतीय पारपत्र अधिकारियों द्वारा १ अक्तूबर, १९५७ से कितने व्यक्तियों को पारपत्र दिये गये ;